महिला साहित्यकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं डा.उषा किरण खान : डा. प्रेमलता मिश्रा

(आज समाचार सेवा)

पटना। मैथिली महिला संघ के तत्वावधान में विद्यापति भवन में हिन्दी मैथिली की यशस्वी साहित्यकार पद्मश्री डा.उषा किरण खान की जयंती सरिता झा की अध्यक्षता में मनायी गयी।

चेतना समिति के अध्यक्ष विवेकानंद झा, सचिव जयदेव मिश्र, संयुक्त सचिव दिनेशचन्द्र झा सहित पूर्व सचिव विवेकानन्द ठाकुर सहित डा.शीला चौधरी, डा.प्रेमलता मिश्र प्रेम, डा.पुतुल प्रियंवदा, संघ की सचिव कल्पना कुमारी, पूनम वर्मा, कवियित्री डा.रंजना, आशा चौधरी, अभिलाषा देव, आराधना झा, माधुरी झा, रेखा झा, प्रियंका मिश्र, वंदना कुमारी, मंजू झा, प्रीति कुमारी ने उषा किरण खान के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।



प्रेमलता मिश्र ने कहा, डा.उषा किरण खान सभी महिला साहित्यकारों के लिए अनुकरणीय प्रेरणास्त्रोत हैं।उनका सादा जीवन उच्च विचार, पारिवारिक सामंजस्य, संतानों में श्रेष्ठ संस्कार विकसित करने की लगन प्रेरणास्पद है। अपने साहित्य में उन्होंने समाज के यथार्थ को समाहित किया और इतिहास के गौरवशाली चरित्र को भी महिमामंडित किया।

मुख्य वक्त डा.पुतुलप्रियंवदा ने आलेख प्रस्तुत करते हुए उषा किरण खान की साहित्यिक चेतना, साहित्य सृजन और उन्हें प्राप्त सम्मान के बारे में बताया और कहा कि डा.उषा किरण खान अपने अवदानों के लिए सदैव स्मरणीय रहेगी। दूसरे सत्र में कवियित्री सम्मेलन हुआ, जिसमें आशा चौधरी, डा.रंजना झा, प्रियंका मिश्र, रचना मिश्रा आदि ने काव्य पाठ से जीवन के विविध भाव बिखेरी। संचालन किया प्रियंका मिश्रा ने।

बुजुर्ग की सर्जरी कर निकाला गया पेनिस कैंसर

पटना (आससे)। जननांग में घाव और पेशाब करने में परेशानी को मामूली समझना 93 वर्षीय बुजुर्ग के लिए गंभीर साबित हो सकता था। जांच के दौरान बायोप्सी में पेनिस कैंसर की पुष्टि हुई। इसके बाद सत्यदेव सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सर्जरी कर कैंसर से प्रभावित अंग को निकाल दिया गया। अस्पताल के एमडी डा.कुमार राजेश रंजन ने बताया कि मरीज को पेशाब करने में परेशानी हो रही थी। जननांग के अगले हिस्से में घाव बनने के बाद उसकी जांच करायी गई। बायोप्सी रिपोर्ट में कैंसर की पुष्टि होने पर मरीज की स्थिति के अनुसार ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। सर्जरी के दौरान कैंसर से प्रभावित अंग को निकाल दिया गया।

बंगीय समाज के अनुष्ठान में शारदीय पूर्णिमा में लक्ष्मी पूजा का दिखेगा मुख्य आकर्षण

आध्यात्मिक आश्रम में श्रीचक्र उपासना होगी

पटना (आससे)। शारदीय पूर्णिमा पर आज २५ अक्टूबर, रविवार को लक्ष्मी पूजा का मुख्य आकर्षण दिखेगा बंगीय समाज के दुर्गापूजा स्थलों में लोल्खी (लक्ष्मी) पूजा के रूप में। परंपरानुसार इस दिन सम्पूर्ण बंगीय समाज निरामिष होकर करते हैं मां लक्ष्मी की पूजा आराधना। सुरोद्यान पूजा अनुष्ठान समिति के सभापति निशीथ कुमार बोस ने बताया कि बंगीय समाज की लक्ष्मी पूजा वैयक्तिक एवं सार्वजनिक अनुष्ठान के रूप में मनाया जाता है।

सभी अपने-अपने घरों में मां लक्ष्मी के आगमन पर रंगोली सजाते हैं। सपरिवार दिन में फलाहार करके सायंकाल प्रदोष बेला में अपने अपने घर में लक्ष्मी पूजा करते हैं। पूजा के बाद सपरिवार सार्वजनिक पूजा अनुष्ठान में भाग लेते हैं। पुरोहित द्वारा मां लक्ष्मी की षोडशोपचार पूजा विधि सम्पन्न की जाती है। प्रसाद वितरण होता है। सुरोद्यान पूजा अनुष्ठान समिति की ओर से रात्रि ८:३० बजे से होगी लक्ष्मी पूजा। इसी तरह कालिबाड़ी एवं सार्वजनीन दुर्गापूजा समितियों की लक्ष्मी पूजा देखने का अवसर होगा।

शारदीय पूर्णिमा में लक्ष्मी पूजा का विशेष आकर्षण होगा शरण कम्पाउंड जमाल रोड स्थित आध्यात्मिक आश्रम फाउंडेशन में श्रीचक्र उपासना सहित महा लक्ष्मी पूजन। इस संदर्भ में तांत्रिक एवं ज्योतिषी कुमार प्रशस्त पुरुषोत्तम ने बताया कि आश्रम का उद्देश्य परंपरानुसार पूजा अनुष्ठान को जागृत रखने के साथ साथ लोक कल्याण के लिए जिज्ञासुओं का उचित पथ, साधना और सफलता के रूप में उचित परिणाम का सम्यक् मार्गदर्शन उपलब्ध कराना यहां बाहरी जिज्ञासु श्रद्धालु भी संकल्प लेकर पूजा में सहभागी होंगे।

मां विजया ने 'इस्सयोग डिजिटल ऑडियो नियंत्रण-कक्ष' का किया लोकार्पण

महात्मा सुशील कुमार के महानिर्वाण की स्मृति में आयोजित हुआ समारोह

पटना (आससे)। आध्यात्मिक संस्था अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक महात्मा सुशील कुमार के महानिर्वाण की स्मृति में प्रत्येक माह के 24 तारीख़ को होने वाले समारोह के अवसर पर शनिवार को संस्था के गोलारोड स्थित एम एस एम बी इस्सयोग भवन में, संस्था की अध्यक्ष सदगुरुमाता माँ विजया जी ने 'डिजिटल औडियो मिक्सर नियंत्रण-कक्ष' का लोकार्पण किया। इस कक्ष के उपयोग से इस्सयोग भवन में होने वाले सभी कार्यक्रमों में आधुनिक ढंग से ध्वनि नियंत्रण किया जा सकेगा। यह जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ ने बताया कि इस अवसर पर इस्सयोगियों ने अपने श्रद्धा-उद्गार व्यक्त किए तथा सदगुरुदेव की महिमा का गुणगान किया और उनके जीवन में किस प्रकार इस्सयोग की अलौकिक अनुभूतियों ने युगांतरकारी परिवर्तन किया, उसका उल्लेख किया। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित इस्सयोगियों ने संस्था के संयुक्त सचिव शिवम् झा और काव्या के पुत्र अर्क पण्डित को %अन्न-प्राशन संस्कार% पर आशीर्वाद और शुभकामनाएँ भी दीं। उत्सव में नियंत्रण कक्ष के संचालक प्रदीप गायत्री, संस्था के संयुक्त सचिव उमेश कुमार, लक्ष्मी प्रसाद साहू, सरोज गुटगुटिया, दिव्या झा, अनन्त कुमार साहू, किरण प्रसाद, अमित राज, माया साहू, निर्मला सिंह, वीरेंद्र राय, प्रेम खन्ना, ए के खरे, कृष्ण मोहन राय, प्रभात झा आदि सैकड़ों की संख्या में इस्सयोगी उपस्थित थे।



लाखों अभिभावकों ने जाना बच्चों की पढ़ाई का हाल

सेकेंडरी-प्लसटू स्कूलों में पहली बार अभिभावकों के साथ थीम पर संवाद

पटना (आशिप्र)। राज्य के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शनिवार को उनमें पढ़ने वाले लाखों बच्चों के अभिभावक पहुंचे। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई का हाल जाना। उन्होंने यह भी जाना कि स्कूल से इतर में बच्चों को कैसे पढ़ायें।

दरअसल, प्रदेश के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी रखी गयी थी। ऐसा पहली बार हुआ है, जब सूबे के तकरीबन सभी 10 हजार सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक ही दिन थीम आधारित अभिभावक- शिक्षक संगोष्ठी आयोजित हुई। अब तक हर माह के अंतिम शनिवार को सिर्फ सूबे के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में थीम आधारित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित होती रही है। प्राथमिक विद्यालयों में 1ली से 5वीं एवं मध्य विद्यालयों में 1ली से 8वीं कक्षा की पढ़ाई होती है, जबकि माध्यमिक विद्यालयों में 9वीं-10वीं एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 9वीं से 12वीं कक्षा की पढ़ाई चलती है। तो, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में हुई अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का थीम था- बिहार की गौरवशाली परम्पराएं। इसके आयोजन को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक नितिन कुमार सिंह द्वारा राज्य के सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं माध्यमिक शिक्षा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को पहले ही निर्देश दिये गये थे। इसके मुताबिक संगोष्ठी में शामिल होने के लिए विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को बाजाप्ता आमंत्रित किया गया था। संगोष्ठी में शामिल होने पहुंचे अभिभावकों की आगवानी शिक्षकों के साथ प्रधानाध्यापकों द्वारा दी गयी। यह संगोष्ठी अधिकांश विद्यालयों में वर्गवार हुई। इसमें शामिल होने वाले अभिभावकों में बड़ी संख्या में महिला अभिभावक थीं। अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई की प्रगति की जानकारी तो दी ही गयीं, उन्हें घरों में बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था के तौर-तरीके भी बताये गये।

बच्चों को कैसे विद्यालय भेजें, उन्हें पढ़ाई के प्रति कैसे प्रोत्साहित करें और अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियों का किस प्रकार ध्यान रखें, इसके टिप्स भी दिये गये।

थीम के अनुरूप अभिभावकों को बिहार की गौरवशाली परंपराओं के प्रति भी जागरूक किया गया। अभिभावकों को उनके द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब भी दिये गये।

बी.डी. कॉलेज में इनडोर पौधों के महत्व पर गतिविधि आयोजित

पटना (आससे)। बी.डी. कॉलेज के भूगोल विभाग की ओर से शनिवार को पर्यावरण जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और घरेलू पौधों के पर्यावरणीय महत्व की जानकारी देना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मनी प्लांट, स्नेक प्लांट, एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट और जीजी प्लांट सहित विभिन्न पौधों का प्रदर्शन किया। साथ ही उनके औषधीय, भौगोलिक और पर्यावरणीय महत्व पर लेख प्रस्तुत किए।



कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दिवाकर प्रसाद ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि शहरीकरण के बढ़ते दौर में पौधे घरों और आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने दैनिक जीवन में हरित जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष कुमारी निशा रानी के नेतृत्व में हुआ। इसमें सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीषा प्रियम्बदा, डॉ. मोनिका कुमारी और डॉ. सुधीर कुमार ने सहयोग किया।

शिक्षक-स्नातक चुनाव के दौरान पकड़े गये 3 फर्जी वोटर से पुलिस कर रही पूछताछ

(निज प्रतिनिधि)

पटना। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन के दौरान कथित फर्जी मतदान का मामला सामने आया है। 23 अक्टूबर को मतदान के बीच पोलिंग बूथ पर तैनात कर्मियों ने तीन संदिग्ध लोगों को पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के मिलर स्कूल परिसर का है, जहां शिक्षक-स्नातक निर्वाचन के लिए वोटिंग चल रही थी। पकड़े गए तीनों लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। उनके पास से वोटर कार्ड बरामद होने की जानकारी मिली है, जबकि आधार कार्ड के जरिए उनकी पहचान और दस्तावेजों की सत्यता की छानबीन की जा रही है। सूत्रों के अनुसार उनका आधार कार्ड भी पर्जी पाया गया है।मिली जानकारी के मुताबिक, मतदान के दौरान पोलिंग बूथ पर तैनात कर्मियों को तीन लोगों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसके बाद उन्हें रोककर पूछताछ की गई और फिर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस तीनों से यह जानने की कोशिश कर रही है कि वे किस मकसद से मतदान केंद्र पहुंचे थे और उनके पास मौजूद मतदाता पहचान पत्र वैध हैं या नहीं। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस की छानबीन जारी है।सूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए लोगों की पहचान आलोक, अनिल और शंकर के रूप में बताई जा रही है। तीनों की भूमिका की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि ये लोग किसी होटल में काम करते हैं और कथित तौर पर रुपये का लालच देकर उन्हें मतदान करने के लिए मिलर स्कूल परिसर के पास बुलाया गया था। जानकारी यह भी सामने आई है कि उन्हें चार पहिया वाहन से मतदान केंद्र के नजदीक छोड़ा गया था।

हालांकि, रुपये के लालच और वाहन से लाए जाने से जुड़े इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।बताया जा रहा है कि पकड़े गए तीनों लोग पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में किराये के मकान में रहते हैं। वहीं, शंकर के काठमांडू, नेपाल का निवासी होने की बात सामने आई है। पुलिस अब उनके पहचान संबंधी दस्तावेजों, मतदाता सूची में नाम और मतदान के लिए उनकी पात्रता की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।शिक्षक-स्नातक निर्वाचन के दौरान सामने आए इस मामले के बाद मतदान केंद्र पर सुरक्षा और पहचान सत्यापन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, तीनों लोगों को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़े जाने के आधार पर ही पूरे मामले को देखा जा रहा है। फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है।

दस्तावेजों की जांच और पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामला फर्जी मतदान के प्रयास का है या इसके पीछे कोई दूसरी वजह है। पुलिस की जांच के नतीजों पर अब सबकी निगाहें टिकी हैं।

60 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

पटना (आशिप्र)। राज्य में 30 जिलों के मध्याह्न भोजन के 60 अधिकारियों को मध्याह्न भोजन निदेशालय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। मध्याह्न भोजन योजना के निदेशक विनायक मिश्र ने संबंधित अधिकारियों से दो दिनों के अंदर कारण बताओ नोटिस का जवाब मांगा है। दरअसल, वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा में पाया गया कि संबंधित जिलों में 22 अक्तूबर को अपराह्न चार बजे तक 85 प्रतिशत या 85 प्रतिशत से कम विद्यालयों में मध्याह्न भोजन का संचालन पाया गया, जबकि शतप्रतिशत विद्यालयों में इसका संचालन कराया जाना है। इसके मद्देनजर जिन जिलों के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मध्याह्न भोजन) एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनमें सुपौल, अरवल, रोहतास, सारण, समस्तीपुर, बेगूसराय, औरंगाबाद, कटिहार, लखीसराय, पटना, जहानाबाद, सहरसा, दरभंगा, गोपालगंज, खगड़िया, जमुई, बांका, गया, पूर्णिया, अररिया, नवादा, पूर्वी चंपारण, शिवहर, मुजफ्फरपुर, किशनगंज, कैमूर, सीवान, मधेपुरा, सीतामढ़ी एवं मधुबनी शामिल हैं।

सरकारी स्कूलों के कायाकल्प पर खर्च होंगे 275 करोड़

पटना (आशिप्र)। राज्य सरकार ने कायाकल्प अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों को कुल 275 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये हैं। इस राशि से सरकारी स्कूलों में आवश्यक सुविधाओं के विकास और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों को गति देने की योजना है। इसके तहत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को 30 से 40 हजार रुपये, जबकि प्रत्येक उच्च विद्यालय को 50 हजार रुपये दिये गये हैं। इस राशि के उपयोग को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये हैं। इसके मुताबिक 30 अक्तूबर से पहले सभी स्कूलों में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक आयोजित कर प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कराने को कहा गया है। कायाकल्प अभियान के तहत उपलब्ध करायी गयी राशि से स्कूलों में जरूरत के अनुसार विकास कार्य कराये जा सकेंगे। विभाग का जोर है कि विद्यालय प्रबंध समितियों की बैठक में प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा कर उन्हें मंजूरी दी जाय, ताकि राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप किया जा सके।

राष्ट्रसेवा का संदेश ले बैकठपुर घाट से कैडेट रवाना

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। फर्स्ट बिहार नेवल यूनिट एनसीसी के सेलिंग एक्सपीडिशन शनिवार को बैकठपुर घाट पर स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ गंगा एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। घाट परिसर की साफ-सफाई करने के बाद अभियान दल अपने अगले पड़ाव बाढ़ की ओर रवाना हुआ।

फर्स्ट बिहार नेवल यूनिट एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर प्रीतम कुमार ने हरी झंडी दिखाकर कैडेटों को रवाना किया।

बिहार एवं झारखंड के 70 सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग कैडेट इस अभियान में भाग ले रहे हैं। गंगा की लहरों पर नौकायन करते हुए कैडेट साहस, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रहे हैं। बैकठपुर घाट पर स्वच्छता अभियान के माध्यम से कैडेटों ने आम लोगों को घाटों को स्वच्छ रखने तथा गंगा को प्रदूषणमुक्त बनाने के प्रति जागरूक किया। बाढ़ में अगले पड़ाव के बाद अभियान दल भागलपुर की ओर आगे बढ़ेगा। इस अभियान में भारतीय नौसेना के कुशल प्रशिक्षकों एवं पीआई स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके मार्गदर्शन, तकनीकी प्रशिक्षण और सतत निगरानी में कैडेट नौकायन की बारीकियों, जल सुरक्षा, अनुशासन तथा आपसी समन्वय का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं।

इस अभियान में फर्स्ट बिहार नेवल यूनिट एनसीसी के एएनओ आनंद आशीष, डॉ. संजय कुमार सिंह, मुकेश कुमार के साथ पीआई स्टाफ, जीसीआई नेहा कुमारी, एलडीसी रमेश कुमार तथा अन्य सिविलियन स्टाफ भी अभियान में शामिल रहे। इसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रसेवा, राष्ट्रीय एकता, नेतृत्व क्षमता, पर्यावरण संरक्षण तथा गंगा की स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। गंगा की लहरों पर आगे बढ़ता यह अभियान युवाओं को स्वच्छता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दे रहा है।

पीयू में विषय पंजीयन के लिए पोर्टल 30 अक्टूबर तक खुला

पटना (आससे)। पटना विश्वविद्यालय में स्नातक के विद्यार्थियों के विषय पंजीयन के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। विद्यार्थी 30 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकेंगे। नियमित और वित्तपोषित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों को मेजर विषय के अलावा अन्य विषय समूहों के लिए भी पंजीयन करना होगा।

यह प्रक्रिया प्राचार्य की देखरेख में ऑनलाइन पूरी की जाएगी। विद्यार्थियों को 600 रुपये शुल्क जमा कर पंजीयन पर्ची कॉलेज में देनी होगी। साथ ही आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

क्र. सं.: 1, निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-40-26-27, कार्य का नाम : माघ मेला-2027 के दौरान आपातकालीन बिजली आपूर्ति बैकअप के लिए प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में डीजी सेट किराए पर लेना, **अनुमानित राशि :** रु. 23,600.00, **कार्य समापन का समय :** 45 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे। **क्र. सं. : 2, निविदा सूचना संख्या : ई-निविदा-एल-41-26-27, कार्य का नाम :** माघ मेला 2027 में प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में किराए के आधार पर प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान, **अनुमानित लागत :** रु. 18,98,710.00, **अमानत राशि :** रु. 38,000.00, **कार्य समापन का समय :** 55 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे। **क्र. सं. : 3, निविदा सूचना संख्या : ई-निविदा-एल-42-26-27, कार्य का नाम :** प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों में माघ मेला 2027 से संबंधित विद्युत कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 18,52,989.24, **अमानत राशि :** रु. 37,100.00, **कार्य समापन का समय :** 30 दिन, **निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.11.2026 14:30 बजे।

उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जायें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य मुजाहि/विद्युत-239 पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

मिहिर कुमार झा ने पटना दूरदर्शन का दौरा किया

पटना(आससे)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अवर सचिव मिहिर कुमार झा ने आज दूरदर्शन केंद्र, पटना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में संचालित स्वच्छता अभियान का निरीक्षण किया तथा स्टूडियो परिसर एवं कार्यालय के विभिन्न भागों का अवलोकन किया। श्री झा ने केंद्र में स्वच्छता एवं साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया और परिसर की व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की।



उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं कार्यस्थल पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की एवं स्वच्छता के कार्यक्रम को लगातार बनाये रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर दूरदर्शन केंद्र, पटना के उपमहानिदेशक-सह-कार्यालय प्रमुख श्री ध्रुव कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक कार्यक्रम-सह-कार्यक्रम प्रमुख डॉ. मनोज प्रभाकर तथा उपनिदेशक समाचार श्री सलमान हैदर भी उपस्थित थे।

बैठक में महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के नामों की हुई घोषणा

पटना। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा बिहार प्रदेश की बैठक का आयोजन ठाकुर प्रसाद सामुदायिक भवन में प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिला प्रकोष्ठ के नए पदाधिकारियों का मनोनयन करना था। इसके साथ ही प्रदेश पदाधिकारियों की आगामी ऑनलाइन बैठक एवं दिसंबर माह में प्रस्तावित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के डा.अनिता सिन्हा ने महिला प्रकोष्ठ के नए पदाधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। जिसमें महिला प्रदेश महामंत्री संगीता प्रसाद, कोषाध्यक्ष हेमा सिन्हा, उपाध्यक्ष तूलिका श्रीवास्तव, सपना श्रीवास्तव, विभा सिन्हा, रिम्पी श्रीवास्तव नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा, सुनील कुमार सिन्हा, समीर प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

वैज्ञानिक सत्र में सभी चिकित्सकों ने प्रस्तुत किये शोध पत्र

(आज समाचार सेवा)

पटना। एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का 45वां तीन दिवसीय वार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव डा.मनीष मंडल ने बताया कि आज के सत्र में दिल्ली से आये डा.अरूण प्रसाद, डा.अभिनव कुमार, डा.अनिल अग्रवाल तथा कोलकत्ता से आये डा.तमोनास चौधरी के साथ लखनऊ के डा.राहुल कुमार व बिहार के कई शल्य चिकित्सकों ने अपना वैज्ञानिक शोध पत्र एवं विचार रखा। डा.अरूण प्रसाद ने एड्रिनल बीमारी के दूरबीन द्वारा इलाज के बारे में विशेष जानकारी देते हुए बताया कि यह गले का ट्यूमर है, जो अब ज्यादा मरीजों में देखा जा रहा है कि क्योंकि, जांच के नए आयाम आ गये हैं। इसलिए, इस बीमारी का पता जल्दी चल रहा है और इलाज भी सुगतमा से दूरबीन द्वारा हो रहा हैं। डा.अनिल अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि पित्त की थैली का कैंसर का शुरूआती दौर में दूरबीन द्वारा ऑपरेशन से इलाज करने पर कैंसर बिल्कुल ठीक हो जाता हैं। उन्होंने अपने शोध पत्र में बताया कि दूरबीन पित्त की थैली के कैंसर का शुरूआती दौर में इलाज करने पर 95 प्रतिशत मरीज ठीक हो रहे हैं।



आयोजन सचिव डा.मनीष मंडल ने बताया कि आज के कार्यक्रम में डा.वरूण कुमार सिंह को लाइफटाईममेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं, पीके वर्मा एवं डा.एस.एन.वर्णवाल को स्क्रोल ऑफ ऑनर उनके द्वारा उनके जीवनकाल में सर्जरी में अच्छे कार्य के लिए दी गई। डा.मृत्युजंय कुमार को गोल्ड मेडल अवॉर्ड दिया गया। कार्यक्रम में डा.संजय कुमार, डा.साकेत कुमार, डा.राकेश कुमार सिंह, डा.प्रदीप जायसवाल, डा.अभिमन्यु समेत अन्य वरीय चिकित्सक उपस्थित थे।

परंपराओं को पहचान दिलाने की जरूरत : डॉ. राघव नाथ झा

पटना (आससे)। शरद पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और लोकपरंपराओं का महत्त्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों में कौमुदी महोत्सव, कोजागरी पूर्णिमा और कोजगरा जैसी परंपराएँ प्रचलित हैं। बिहार में मगध की कौमुदी परंपरा और मिथिला का कोजगरा का सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्त्व हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए ज्योतिषाचार्य एवं स्वतंत्र पत्रकार डॉ. राघव नाथ झा ने कौमुदी महोत्सव के बारे में शास्त्र निर्णय व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर, रविवार को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि के अवसर पर चंद्रमा की पूजा, माता लक्ष्मी की आराधना, रात्रि-जागरण और खीर अर्पित करने की परंपरा का विशेष महत्त्व है। क्षेत्रीय पंचांग के अनुसार पूजा का समय निर्धारित करना उचित होगा।

उन्होंने कहा कि मिथिला का कोजगरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नवदांपत्य के सम्मान, पारिवारिक आत्मीयता और सामाजिक संबंधों की मधुरता का प्रतीक है। पान-मखाना, पारंपरिक उपहार और परिजनों के मिलन से जुड़ी परंपराएँ इसे विशिष्ट बनाती हैं। दूसरी ओर, कौमुदी महोत्सव का उल्लेख प्राचीन भारतीय साहित्य में मिलता है।

उन्होंने सुझाव दिया कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर 'मगध कौमुदी-ङ्कमिथिला कोजगरा सांस्कृतिक महोत्सव' आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। इसमें दोनों परंपराओं की अलग पहचान बनाए रखते हुए साहित्यिक परिचर्चा, लोकसंस्कृति, पारंपरिक कला और सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय :- वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना
अरण्य भवन, द्वितीय तल, शहीद पीर अली खाँ मार्ग (राईडिंग रोड) पटना- 800014

आम सूचना

श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल, बाढ़ एवं अतिरिक्त प्रभार मोकामा वन परिसर द्वारा कर्त्तव्य के प्रति घोर लापरवाही तथा अनाधिकृत रूप से अपने कार्य क्षेत्र एवं मुख्यालय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने एवं बाढ़ एवं अतिरिक्त प्रभार मोकामा वन परिसर का प्रभार ग्रहण नहीं करने के कारण वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल, पटना द्वारा स्पष्टीकरण किया गया है।

वनपाल द्वारा प्रभार नहीं लेना तथा संतोषजनक जबाब नहीं देने के फलस्वरूप में वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल, पटना के पत्रांक-2648 दिनांक-03.08.2026 द्वारा वनपाल श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, को निलंबित करने की अनुशंसा के साथ विभागीय कार्यवाही का प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में मुख्य वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना के कार्यालय के आदेश संख्या-26 -सह-पठित ज्ञाप संख्या-2620 दिनांक-22.08.2026 द्वारा श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को निलंबित करते हुए पटना वन प्रमंडल, पटना के कार्यालय में मुख्यालय निर्धारित किया गया था तथा इसकी प्रति को श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को हस्तगत कराने हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल को निदेशित किया गया है। वनपाल कर्त्तव्य अवधि में लागातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से निलंबित वनपाल के स्थायी पते पर भेजी गयी। India Speed Post Tracking System के अनुसार संबंधित पत्र उनके पता पर दिनांक-05.09.2026 को Delivered दिखाया गया, किन्तु दिनांक-14.09.2026 को उक्त पत्र प्रमंडलीय कार्यालय पटना वन प्रमंडल को Speed Post के माध्यम से वापस आ गया, जिसमें लिखा हुआ है कि "ये आदमी सासाराम रहते हैं।"

मुख्य वन संरक्षक, पटना अंचल, पटना के कार्यालय के आदेश संख्या-31-सह-पठित ज्ञाप संख्या-2969 दिनांक-18.09.2026 तथा द्वारा आदेश संख्या-32 -सह-पठित ज्ञाप संख्या-2970 दिनांक-18.09.2026 द्वारा विरूद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त आदेश की प्रति (साक्ष्य एवं सभी अभिलेख के साथ) को श्री अरबिन्द कुमार सिन्हा, वनपाल को हस्तगत कराने हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, पटना वन प्रमंडल को निदेशित किया गया है। प्रमंडल के पत्रांक-3784 दिनांक-12.